

Online Bhulekh Website Inauguration at district Lalitpur(UP)

As per the directions of Hon. Board of Revenue, Uttar Pradesh, under pilot scheme of shifting offline bhulekh (land record) software to centralized online system <http://upbhulekh.gov.in> has been successfully completed at district Lalitpur (UP). All activities related to bhulekh records of 10 tehsils of five districts (Lalitpur, Auraiya, Bijnore, Aligarh and Jaunpur) of Uttar Pradesh has been shifted to online bhulekh website. In continuance of same District Magistrate Lalitpur, Dr. Rupesh Kumar, IAS, inaugurated new system at Tehsil Sadar, Lalitpur. Simultaneously, the work also began at Tehsil Mehrauni with citizens now receiving digitally signed nakal khautauni (ROR).

DM Lalitpur emphasized on proactive approach of district administration in taking lead among various districts of UP in implementation of e-governance initiatives. He also praised NIC Lalitpur for tireless work in preceding months in reviewing the website and shifting data online. DIO NIC Mr. Shakti Agrawal explained the working of software to the guests and appreciated support of tehsil staff in implementation of the new website. ADM, Mr. MK Trivedi, Tehsildaar Lalitpur Mr. Avdesh Kumar Nigam, ADIONIC Mr. Arpit Jain, RK Mr. Devki Nandan Kaushik and staff of tehsil and NIC marked their presence in the programme.



Image 1. DM Dr. Rupesh Kumar, IAS alongwith ADM Mr. MK Trivedi inaugurating the new system.



Image 2. DIO-NIC Mr. Shakti Agrawal explaining the new system to District Magistrate



Image 3. DM Dr. Rupesh Kumar, IAS presenting Nakal Khatauni printout obtained from new system to citizen

नेट पर मिलेगी जमीन संबंधी जानकारी

ललितपुर | हिन्दुस्तान संवाद

तहसील सदर में जिलाधिकारी डॉ. रूपेश कुमार द्वारा ऑनलाइन भूलेख सॉफ्टवेयर का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया गया। डीएम ने कम्प्यूटर कक्ष में पहुंचकर तहसील में उपस्थित किसानों को स्वयं ऑनलाइन सॉफ्टवेयर द्वारा जारी खतौनी की नकल भी प्रदान की। ऑनलाइन भूलेख सॉफ्टवेयर का निर्माण एन.आई.सी. राज्य एकक लखनऊ के द्वारा राजेश कुमार गंगल मुख्य प्रणाली विश्लेषक की देखरेख में किया गया है। राजस्व परिसद की इस वेबसाइट के माध्यम से उ.प्र. के 05 पायलेट जनपदों (ललितपुर, बिजनौर, आरैया, अलीगढ़ व जेपीनगर) की 10 तहसीलों के भूलेख डाटा को ऑनलाइन किया गया है। जिसमें

ऑनलाइन सुविधा

- पांच जनपदों और 10 तहसीलों का डाटा ऑनलाइन किया गया
- साफ्टवेयर से आसानी से मिल सकेगी खतौनी और कागजात

ललितपुर जनपद की ललितपुर सदर तथा महरौनी तहसील ली गई है। राजस्व परिषद ने वेबसाइट के द्वारा तहसील के भूलेख से सम्बंधित समस्त आदेश और नकल खतौनियों को डाटा ऑनलाइन कर दिया।

02 मई से समस्त अमल दरामद और कम्प्यूटरीकृत खतौनी के नए सॉफ्टवेयर पर ही निर्गत किए जाएंगे। अन्य समस्त कार्य जो पुराने सॉफ्टवेयर पर अभी तक

सम्पादित होते थे अब नए सॉफ्टवेयर पर सम्पन्न होंगे। राजस्व परिषद ने कम्प्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली के लिए मोबाइल एप्लीकेशन एंड्रॉयड की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

डीएम महोदय ने ऑनलाइन भूलेख साफ्टवेयर के उद्घाटन के मौके पर अपने सम्बोधन में कहा कि इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से आम जनमानस को भूलेख से सम्बंधित विशेषकर खतौनी की नकल अधिक सुविधाजनक तरीके से तथा कम समय में प्राप्त हो सकेगी तथा तहसील का कार्य अधिक त्वरित गति तथा और गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सकेगा। कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूर्व में ही पूर्ण हो चुका है। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय ने तहसीलदार श्री अवधेश कुमार निगम को बधाई दी।

तहसील में डीएम ने किया ऑनलाइन भूलेख सॉफ्टवेयर का शुभारंभ

अब किसान ऑनलाइन प्राप्त करें खतौनी

अमर उजाला ब्यूरो

ललितपुर। राजस्व परिषद उप्र द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में तहसील में सोमवार को ऑनलाइन भूलेख सॉफ्टवेयर का फीता काटकर जिलाधिकारी ने शुभारंभ किया। राजस्व परिषद की वेबसाइट के माध्यम से उप्र के पांच जनपदों की 10 तहसीलों समेत ललितपुर जिले की सदर व महरौनी तहसील के भूलेख से संबंधित समस्त डाटा व खतौनी को ऑनलाइन किया गया है।

सोमवार को तहसील ललितपुर सदर में जिलाधिकारी डॉ. रूपेश कुमार ने कंप्यूटर कक्ष में पहुंच कर उपस्थित किसानों को ऑनलाइन सॉफ्टवेयर द्वारा जारी खतौनी की नकल प्रदान की। बताया गया कि ऑनलाइन भूलेख सॉफ्टवेयर का निर्माण एनआईसी राज्य एकक लखनऊ के मुख्य प्रणाली विश्लेषक राजेश कुमार गंगल की देखरेख में किया गया है। राजस्व परिषद की इस वेबसाइट के माध्यम से उप्र के पांच जनपदों (ललितपुर, बिजनौर, औरैया, अलीगढ़ व जेपीनगर) की 10 तहसीलों के भूलेख डाटा व खतौनी को ऑनलाइन किया गया है। इसमें ललितपुर जिले की ललितपुर सदर तथा महरौनी तहसील शामिल है। अब अमल दरामद व खतौनी सॉफ्टवेयर पर ही निर्गत किए जाएंगे। राजस्व परिषद द्वारा कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली के लिए मोबाइल एप्लीकेशन एंड्रॉयड की सुविधा भी उपलब्ध करायी गई है।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से आम जनमानस को भूलेख से संबंधित खतौनी की नकल आसानी से कम समय में प्राप्त हो सकेगी। जिलाधिकारी ने

प्रदेश के पांच जिलों सहित ललितपुर की सदर व महरौनी तहसील शामिल कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली को मोबाइल एप्लीकेशन सुविधा उपलब्ध



ऑनलाइन खतौनी सुविधा का फीता काटकर शुभारंभ करते डीएम।

डीएम को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर। बुंदेलखंड विकास मंच के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा। इसमें व्हाट्सएप पर स्वामी विवेकानंद के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी करने वाले शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस मौके पर अध्यक्ष विपिन तिवारी, आशीष दुबे, नरेश पाठक, उत्कर्ष नायक, अंकित आदि मौजूद रहे।

तहसीलदार अवधेश कुमार निगम से इस प्रणाली के माध्यम से जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी मिथलेश कुमार त्रिवेदी, रजिस्ट्रार देवकी, नंदन कौशिक, अर्पित जैन, एकांश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

किसानों को खतौनी नकल लेना होगा आसान



ललितपुर : ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का जायजा लेते डीएम।

ललितपुर ब्यूरो : जिलाधिकारी डॉ. रूपेश कुमार ने राजस्व परिषद द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में सोमवार को सदर तहसील में ऑनलाइन भूलेख सॉफ्टवेयर का उद्घाटन किया। उन्होंने कम्प्यूटर कक्ष में पहुंचकर तहसील में उपस्थित किसानों को स्वयं ऑनलाइन सॉफ्टवेयर द्वारा जारी खतौनी की नकल भी प्रदान की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर ऑनलाइन हो जाने से किसानों को खतौनी की नकल मिलने में सुविधा हो जायेगी।

उन्होंने कहा कि इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से आम जनमानस को भूलेख से सम्बन्धित विशेषकर खतौनी की नकल अधिक सुविधाजनक तरीके से तथा कम समय में प्राप्त हो सकेगी तथा तहसील का कार्य त्वरित गति और गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सकेगा। जनपद स्तर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी के निर्देशन में जनपद की तहसील

सदर व तहसील महरौनी का डाटा ऑनलाइन किये जाने का कार्य व सम्बन्धित तहसीलों के कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूर्व में ही पूर्ण हो चुका है।

उन्होंने तहसीलदार अवधेश निगम से अपेक्षा की कि इस प्रणाली के माध्यम से जनता को बेहतर सेवायें उपलब्ध करायें। बताया गया कि ऑनलाइन भूलेख सॉफ्टवेयर का निर्माण एनआईसी राज्य इकाई लखनऊ द्वारा मुख्य प्रणाली विश्लेषक राजेश कुमार गंगल की देखरेख में किया गया है। राजस्व परिषद की इस वेबसाइट के माध्यम से प्रदेश

- ◆ डीएम ने किया ऑनलाइन भूलेख सॉफ्टवेयर का उद्घाटन, किसानों को उपलब्ध कराई खतौनी की नकल

के 5 पायलेट जनपदों (ललितपुर, बिजनौर, आरैया, अलीगढ़ व जेपीनगर) की 10 तहसीलों के भूलेख डाटा को ऑनलाइन किया गया है, जिसमें ललितपुर जनपद की ललितपुर सदर तथा महरौनी तहसील को शामिल किया गया है। राजस्व परिषद ने वेबसाइट के द्वारा तहसील के भूलेख से सम्बन्धित समस्त आदेश व नकल खतौनियों का डाटा ऑनलाइन कर दिया। 2 मई से समस्त अमल दरामद व कम्प्यूटरीकृत खतौनी के नये सॉफ्टवेयर पर ही निर्गत किये जायेंगे। अन्य समस्त कार्य जो पुराने सॉफ्टवेयर पर अभी तक सम्पादित होते थे अब नये सॉफ्टवेयर पर सम्पन्न होंगे। राजस्व परिषद ने कम्प्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली के लिए मोबाइल एप्लीकेशन एण्ड्रॉयड की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी मिथलेश कुमार त्रिवेदी, रजिस्ट्रार देवकी नंदन कौशिक, तहसील स्टाफ तथा एनआईसी की ओर से अर्पित जैन, एकांश श्रीवास्तव, मोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

TATA TISCON TMT SARIYA



JOY OF BUILDING

Contact no.: 9415030673, 9415412105